जिनशासन किसने देखा ???

जिनशासन द्रव्य श्रुत और भाव श्रुत रूप है ।

द्रव्य श्रुत अर्थात जिनवाणी ।

भाव श्रुत अर्थात जिनवाणी के प्रतिपाद्य को जानने वाली श्रुत ज्ञान की पर्याय ।

जिनशासन कैसा है ?

* जिसने जिनवाणी के मुख्य केंद्र बिन्दु अपनी

आत्मा को देखा उसने जिनशासन देख लिया ।

* द्वादशांग का सार तो एक आत्मा ही है ।

आत्मा के पाँच विशेषण

अबद्ध अस्पृष्ट

अनन्य

नियत

अविशेष

असंयुक्त